[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3393 **F-6** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 2051602

Name of the Paper : Bhartiya Aur Vishva Sahitya

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' नाटक के चतुर्थ अंक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'एक अविस्मरणीय यात्रा' पाठ में राजनीतिक उथल-पुथल और आतंकवाद जन-जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं ? वर्णन कीजिए। (14)

2. "'अछूत' कृति में दलित समाज की समस्याओं का यथार्थ वर्णन है" - विवेचना कीजिए।

अथवा

"'कालाहांडी' कविता आधुनिक विश्व में भूख की भयावहता की यथार्थ अभिव्यक्ति है।" विवेचना कीजिए। (14)

3. 'उमर खैय्याम' की 'रुबाइयाँ' में जीवन के अवसाद को किस प्रकार व्यक्त किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

"'बाज का गीत' कहानी जीवन-संघर्ष की कहानी है।" तर्क सहित उत्तर दीजिए। (14)

4. किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- (9)

हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी, कि हर ख़्वाहिश पे दम निकले
बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले
निकलना खुल्द से आदम का सुनते आए थे लेकिन
बहुत बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले।

अथवा

आ पृथ्वी, लौटा दो मुझे अपने ख़ालिस तोहफ़े
ख़ामोशी की वे मीनारें जो अपनी जड़ों की
महानता से उठी थीं
मैं फिर बनना चाहता हूँ जो मैं नहीं बन सका,
फिर से उतनी गहराई से सीखने
चाहे तमाम प्राकृतिक चीज़ों के बीच
मैं जी सकूँ या न जी सकूँ : कोई बात नहीं
एक और पत्थर होना, वह काला पत्थर
वह ख़ालिस पत्थर जिसे नदी अपने साथ ले जाती है।

5. किसी एक का रचना-कौशल दिए गए निर्देश के अनुसार स्पष्ट कीजिए : (9)

भले-बुरे इन्सानों की पहचान मुझे है,
तुझको मैंने अपने मन का गीत चुना है।

तू दुःखों में, दुख से विचलित नहीं हुआ है;

तूने किस्मत के अभिशापों, वरदानों को

एक तरह साभार सदा स्वीकार किया है ।

होरेशियों, वे लोग धन्य है - कम ऐसे हैं -

जो आवेग - विवेक संतुलित अपना रखते,

नहीं भाग्य के हाथों की कठपुतली बनते ।

(जीवन - मूल्य की दुष्टि से)

अथवा

एक ओर

वनस्पतियों का प्राण

चाँद

अस्त होने को है,

और दूसरी ओर

अरुण के रथ पर आते

सूर्य का

आविर्भाव होने को है ।

एक ज्योति का क्षय,

और दूसरी का उदय -

यही एक नियम है

जिससे

जीवन की परिस्थितियाँ

बनती और बदलती रहती हैं ।

(प्रकृति चित्रण की दृष्टि से)

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'छुट्टियां' कहानी में वर्णित बाल-मनोविज्ञान

(ख) 'शिमौन' (साइमन) का चरित्र-चित्रण

(ग) 'शताब्दी का अवतरण' कविता का मूल भाव

(घ) 'खून का रिश्ता' कहानी का प्रतिपाद्य (8,7)